कोटा दशहरा मेले का आगाज आज

- हेमा मालिनी होंगी उद्‌घाटन कार्यक्रम की प्रस्तुतकर्ता
- 'नवाचारों के साथ मेले को उदाहरण बनाने के प्रयास'

कोटा, (निसं)। 131वें राष्ट्रीय दशहरा मेले का आगाज गुरूवार शाम प्रख्यात अभिनेत्री हेमा मालिनी की विश्व प्रसिद्ध नृत्य नाटिक दुर्गा और भव्य आतिशबाजी के साथ विजयश्री रंगमंच पर होगा। इससे पूर्व सुबह 9 बजे आशापुरा माताजी की पूजा होगी, सुबह 11 बजे निगम परिसर स्थित मंदिर में रामायण का पाठ प्रारंभ होगा, शाम 6 बजे श्रीराम रंगमंच पर ध्वजारोहण के बाद रामलीला का शुभारंभ भी होगा। यह जानकारी मेला समिति के अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए दी। राजवंशी ने बताया कि उद्‌घाटन समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम कृष्ण बिरला होंगे। उद्‌घाटन कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक शांति धारीवाल, संदीप शर्मा, कल्पना देवी, कोटा दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल 'भारती', मंजू मेहरा, उप महापौर पवन मीणा, फरीदूद्दीन सोनू कुरेशी, नेता प्रतिपक्ष लव शर्मा भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की प्रेरणा से दशहरे मेले में पहली बार ड्रोन तथा लाईट एंड साउण्ड शो होगा। ड्रोन शो में 500 से अधिक ड्रोन एक साथ आसमान में उड़ान भरकर रामायण से जुड़ी आकृतियां बनाएंगे। करीब 15 मिनट का यह आयोजन लोगों को आसमान की ओर टकटकी लगाए देखने को मजबूर कर देगा। इसी तरह लाईट एंड साउण्ड शो का आयोजन लगातार तीन दिन तक किया जाएगा। करीब 30 मिनट के इस शो में भी संगीत और रोशनियों की जुगलबंदी दर्शकों को विस्मित कर देगी।

कवि सम्मेलन और मुशायरे के नाम तय–एक नई पहल के तहत इस वर्ष कवि सम्मेलन और मुशायरे में कवियों और शायरों की संख्या सीमित रखी गई है, ताकि उन्हें काव्य पाठ के लिए अधिक समय मिले और श्रोता भी इन नामचीन हस्तियों की रचनाओं का जी–भर कर आनंद ले सकें। कवि सम्मेलन में हरिओम पंवार, सुरेन्द्र शर्मा, सुदीप भोला, अनामिका अंबर, जगदीश सोलंकी, अरूण जैमिनी और शशिकांत यादव काव्य पाठ करेंगे। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एलन मानधना परिवार की ओर से प्रायोजित है। मुशायरे में 8 शायरों ताहिर फराज, सिकन्दर हयात गड़बड़, शाहिद अन्जुम, मोहतरमा सबिना अदीब, इकबाल अशहर, विजय तिवारी, अज्म शाकिरी, जियां टोकी को अवसर दिया गया है।

विदेशों में भी दिखेगा मेला, मिलेगा हर अपडेट:– इस वर्ष नवाचार के तहत दशहरे मेले का प्रचार–प्रसार सोशल मीडिया पर भी किया जा रहा है। इसके लिए फेसबुक, यू–ट्यूब और इंस्टाग्राम पर पेज तैयार किया गया है। मेले के सभी कार्यक्रमों का फेसबुक और यूट्यूब पर लाईव प्रसारण करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे मेले का आनंद देश तथा विदेश के लोग भी ले सकेंगे।

मेले में इस बार 14 वर्ष तक कीबाल प्रतिभा कार्यक्रम दो दिन तक आयोजित किया जाएगा। एक दिन बालकों और दूसरे दिन बालिकाओं को इस कार्यक्रम के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

विवेक राजवंशी ने बताया कि मेले में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को भव्य स्वरूप तो दिया ही जा रहा है साथ ही यह भी प्रयास किए गए हैं इसका निगम पर भार नहीं है। इसके लिए मेले के अधिकांश कार्यक्रमों को प्रायोजित करवाया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से केडीए द्वारा मेला आयोजन के लिए 2 करोड़ रूपए दिए जा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के प्रयासों से केईडीएल भी मेले में एक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 30 लाख रूपए दे रहा है। सिंधी कार्यक्रम को भाटिया एंड कम्पनी की ओर से आयोजित किया जा रहा है। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन तथा मोटीवेशनल कार्यक्रम का प्रायोजक एलन मानधना परिवार रहेगा। बाल प्रतिभा कार्यक्रम तथा फैशन शो, शुभम ग्रुप की ओर से प्रायोजित किया जाएगा। आशापुरा माताजी मंदिर भजन संध्या को सुखपाल कंस्ट्रक्शन कम्पनी तथा शरद पूर्णिमा की रात मुख्य भजन संध्या का कार्यक्रम विमल इलायची द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है। राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग की ओर से 50 लाख रूपए दिए जाएंगे तथा इतनी ही राशि का कार्यक्रम प्रायोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय मेला दशहरा 2024 में श्री रामलीला का शुभारंभ 3 अक्टूबर को शाम 6 बजे श्री राम रंगमंच पर किया जाएगा। श्री श्यामा–श्याम लीला संस्थान, वृन्दावन के कलाकार श्रीराम लीला का मंचन करेंगे। इस संस्थान के द्वारा अब तक कनाडा, थाईलैंड, अमेरिका, नेपाल समेत विभिन्न देशों में रामलीला का मंचन किया जा चुका है।

विवेक राजवंशी ने बताया कि इस बार मेले में आस्था और मनोरंजन दोनों का विशेष संगम देखने को मिलेगा। मेले में इस वर्ष अशोक वाटिका तैयार की गई है जहां इस्कॉन टेंपल बेंगलुरु की कोटा शाखा हरे कृष्ण मंदिर द्वारा अयोध्या विराजमान श्रीराम लला के विग्रह के प्रतिकृति बनाई जा रही है। वहीं अमरनाथ की गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन भी होंगे।

दशहरा मेले में रोशनी व्यवस्था में भी इस बार व्यापक परिवर्तन किया गया है। इस कारण मेला पहले से अधिक जग–मग होगा। एडवांस लाइट कॉन्सेप्ट के तहत मेट्रिक्स कोइन लाइट लगाई गई है, जिससे मेले की भव्यता और बढ़कर आएगी।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला की प्रेरणा से हमने जनभावनाओं और जन आकांक्षाओं के अनुरूप मेले की तैयारियां की हैं। दक्षिण आयुक्त अनुराग भार्गव, उत्तर आयुक्त अशोक कुमार त्यागी, मेला अधिकारी जवाहर लाल जैन, अतिरिक्त मेला अधिकारी महेश चंद्र गोयल, मेला प्रभारी महावीर सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में इस बार के मेले के सुविधायुक्त और भव्य बनाते हुए इसे राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में पहला कदम उठाया गया है। अगले वर्ष के मेले की तैयारी हम इस मेले के बाद से ही प्रारंभ कर देंगे। ओम बिरला के निर्देशों के अनुरूप आने वाले समय में मेला नई ऊंचाइयां छुएगा।

रक्तदान किया

कोटा, (निसं)। हाड़ौती ब्लड डोनर सोसायटी द्वारा सोसायटी के दिवंगत साथी नवीन पंजाबी की दूसरी पुण्यतिथि के अवसर पर थैलेसिमिया पीड़ित, गर्भवती महिलाओं ब्लड की आपूर्ति नियमित करने के लिए, एमबीएस ब्लडबैंक कोटा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 21 युवाओं ने रक्तदान किया। सोसायटी के जेपी शर्मा ने बताया कि रक्तदान शिविर की शुरुआत स्व.नवीन पंजाबी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर व माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। नवीन पंजाबी की धर्मपत्नी अंशु पंजाबी ने शिविर की प्रथम रक्तदाता अनुराधा का माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया। टीम के राजू सोनी बताते है कि सोसायटी द्वारा समय समय पर जन्मदिन, पुण्यतिथि, एवं महीने में 1 या 2 शिविर आयोजित किये जाते हैं।

आर.टी.यू. के डॉ. एस.डी. पुरोहित विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में शामिल

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के डॉ. एसडी पुरोहित ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, स्टैनफोर्ड, केलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं ऐल्सेवियर के संयुक्त तत्वावधान में तैयार वर्ष 2024 की प्रकाशित अतिप्रभावी विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची के सातवें वर्जन में स्थान हासिल किया।

आरटीयू के सह जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया की विख्यात गणितज्ञ डॉ.पुरोहित वर्तमान में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में एसोसिएट प्रोफेसर गणित पद पर कार्यरत हैं, ने अनुप्रयुक्त गणित और गणितीय जीव विज्ञान के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान दिया है।

शीर्ष वैज्ञानिक की उपलब्धि अर्जित करने के अवसर पर कुलपति प्रो.एसके सिंह ने डॉ.पुरोहित को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए इस वैश्विक उपलब्धि को आरटीयू की वैश्विक पटल पर अंतरराष्ट्रीय मान्यता की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

उन्होंने कहा की यह सम्मान उनके शोध की उच्च गुणवत्ता को दर्शाता है, यह योगदान युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनेगा और भारत को वैश्विक वैज्ञानिक मंच पर एक नई पहचान दिलाएगा।

डॉ. पुरोहित ने कहा की यह सम्मान उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता–पिता को दिया हैं। डॉ. पुरोहित ने अब तक 250 शोध–पत्रों का उच्च प्रभाव वाले जर्नलस में प्रकाशन किया है, जिनका गुगल स्कोलर पर कुल सॉइटेशन 4254 है। डॉ.पुरोहित के शोध–पत्रों का एच–इंडेक्स 35 और आई–10 इंडेक्स 121 है।

डॉ. पुरोहित ने लेबनानी अमेरिकी विश्वविद्यालय, बेरूत कैंपस, लेबनान से पोस्ट डॉक्ट्रोल फ़ेलोशिप भी की है। डॉ.पुरोहित पिछले 20 वर्षों से फ्रैक्शनल कैलकुलस, इंटीग्रल ट्रांसफॉर्म, गणितीय मॉडलिंग, गणितीय जीवविज्ञान पर रिसर्च करके आरटीयू कोटा की शोध उत्कृष्टता को विश्व पटल पर नई ऊँचाईयों मे पहुंचाया है।